Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

ASCI
Agriculture Skill Council of India

प्रतिभागी पुस्तिका

क्षेत्र
कृषि एवं संबद्ध

उप–क्षेत्र
कृषि संबद्ध गतिविधियां

व्यवसाय
डेयरी फार्म प्रबंधन

संदर्भ आईडी: **AGR/Q4101, संस्करण 1.0**
NSQF स्तर 4

डेयरी किसान

द्वारा प्रकाशित

महेंद्र प्रकाश प्राइवेट लिमिटेड
ई–42,43,44, सेक्टर – 7, नोएडा – 201301
उत्तर प्रदेश – भारत

सर्वाधिकार सुरक्षित,

प्रथम संस्करण, सितम्बर 2016

भारत में मुद्रित

कॉपीराइट © 2016

भारतीय कृषि कौशल परिषद
6वी, मंजिल, जी ऐन जी बिल्डिग, प्लॉट नंबर 10,
गुड़ग्राम – 122004, हरियाणा, भारत
फोनः 0124–4670029 / 4814673 / 4814659
ईमेलः info@asci-india.com
वेबसाइटः www.asci-india.com

खंडन

यहाँ निहित जानकारी विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त किया गया है भारतीय कृषि कौशल परिषद्। भारतीय कृषि कौशल परिषद् जो सटीकता के लिए सभी वारंटियों का पूर्णता या इस तरह की जानकारी की पर्याप्तता का खंडन करती है। भारतीय कृषि कौशल परिषद का त्रुटियों चूक या अपर्याप्तता के लिए कोई दायित्व नहीं होगा, यहाँ निहित जानकारियों में, या व्याख्या के लिए हर संभव प्रयास पुस्तक में शामिल कॉपीराइट सामग्री के मालिकों को पता लगाने के लिए किया गया है। प्रकाशकों की किताब को भविष्य के संस्करणों में स्वीकृतियों के लिए उनके ध्यान में लायी किसी भी चूक के लिए आभारी होंगे। भारतीय कृषि कौशल परिषद में कोई भी इकाई किसी भी नुकसान के लिए जिम्मेदार नही होगी, किसी भी व्यक्ति के द्वारा जो निरंतर इस सामग्री पर निर्भर करता है। इस प्रकाशन की सामग्री का कॉपीराइट है। इस प्रकाशन का कोई भाग दुबारा प्रस्तुत, संग्रहित या किसी भी रूप में वितरित या और किसी तरह से या तो कोई कागज या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम के द्वारा नहीं किया जा सकता है, जब तक भारतीय कृषि कौशल परिषद द्वारा अधिकृत ना किया जाय।

कौशल विकास से एक बेहतर भारत का निर्माण होगा। अगर हमें भारत को विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है तो कौशल विकास हमारा मिशन होना चाहिए।

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री भारत

Skill India

ASCI
Agriculture Skill Council of India

N·S·D·C
National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

Certificate

COMPLIANCE TO QUALIFICATION PACK – NATIONAL OCCUPATIONAL STANDARDS

is hereby issued by the

AGRICULTURE SECTOR SKILL COUNCIL

for

SKILLING CONTENT : PARTICIPANT HANDBOOK

Complying to National Occupational Standards of
Job Role/ Qualification Pack: '**Dairy Farmer/Entrepreneur**' QP No. '**AGR/ Q4101 NSQF Level 4**'

Date of Issuance: **Sep 30th 2016**

Valid up to*: **March 31st, 2018**

**Valid up to the next review date of the Qualification Pack or the 'Valid up to' date mentioned above (whichever is earlier)*

AuthorisedSignatory
(Agriculture Skill Council of India)

आभार

हम सभी संगठनों और व्यक्तियों के लिए आभारी हैं जिन्होंने इस प्रतिभागी पुस्तिका की तैयारी में हमारी मदद की हैं हम उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिन्होंने इस पुस्तिका की समीक्षा की और अध्यायों की गुणवत्ता और प्रस्तुति में सुधार के लिए मूल्यवान निविष्टियाँ प्रदान की हैं यह पुस्तिका कौशल विकास के कार्य को आगे बढ़ाएगी एवं हमारे हितधारकों में विशेष रूप से प्रशिक्षुओं, प्रशिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं की सहायता करेगीं हम अपने विषय विशेषज्ञ के लिए आभारी हैं **डॉ. सुरेश दमोदरजन** जिन्होंने प्रतिभागी पुस्तिका की तैयारी में हमारी सहायता की हैं

यह उम्मीद है कि यह प्रकाशन QP / NOS आधारित प्रशिक्षण की पूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करेगां हम भविष्य में किसी भी सुधार के लिए उपयोगकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के सुझावों का स्वागत करते हैं

इस पुस्तक के बारे में

एक डेयरी किसान / उद्यमी वह व्यक्ति है जो डेयरी फार्म प्रबंधन में शामिल विभिन्न गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है। डेयरी किसान डेयरी फार्म की व्यवहार्यता एवं स्थिरता के लिए विभिन्न निर्णय लेता है।

वह डेयरी पशु की उचित देखभाल, उनके स्वास्थ्य एवं उत्पादकता, दुहने और दूध उत्पादों के विपणन को सुनिश्चित करता है। उच्च गुणवत्ता के दूध का उत्पादन और पशुओं की सलामती एवं आराम को प्रेरित करने के लिए कार्य को कुशल तरीके से करना होता है। व्यक्ति को विभिन्न उपकरणों के प्रयोग करने और जरूरत के अनुसार रिकार्ड रखने में कुशलता का प्रदर्शन करने के लिए सक्षम होना चाहिए। प्रशिक्षकों के अनुदेशन में प्रशिक्षु निम्न कुशलताओं में अपने ज्ञान का संवर्धन करेंगे:

- **ज्ञान एवं समझ:** आवश्यक कार्य को करने के लिए पर्याप्त परिचालनीय ज्ञान एवं समझ
- **प्रदर्शन मानदंड:** प्रशिक्षण पर हाथ के जरिये जरूरी कुशलता प्राप्त करें और जरूरी परिचालनों का प्रदर्शन विशेष मानकों के दायरे में करें
- **व्यावसायिक कुशलताएं:** कार्य के क्षेत्र से संबंधित परिचालनीय निर्णय करने की योग्यता

पुस्तिका में डेयरी किसान की कार्यस्थल पर पशुधन के आवास, पशुधन के लिए भोजन एवं पानी, चारा संरक्षण, उद्यमिता, कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की तैयारी आदि सुपरिभाषित भूमिकाएं शामिल हैं। डेयरी किसान/उद्यमी को स्वतंत्र रूप से कार्य करना चाहिए और अपने कार्यस्थल से संबंधित विभिन्न रणनीतिक एवं परिचालनीय निर्णयों को करने की क्षमता होनी चाहिए। व्यक्ति में स्पष्टता होनी चाहिए और उसे परिणाम उन्मुख होना चाहिए। व्यक्ति को विभिन्न उपकरणों के प्रयोग की कुशलता का प्रदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए।

हम डेयरी किसानी क्षेत्र में आपके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

प्रयोग किए गए प्रतीक

सीखने के प्रमुख परिणाम

चरण

समय

टिप्स

टिप्पणियाँ

यूनिट के उद्देश्य

अभ्यास

विषय–वस्तु की तालिका

क्रम संख्या	मॉड्यूल्स	पृष्ठ संख्या
1.	परिचय	1
	यूनिट 1.1– सामान्य अनुदेश	3
	यूनिट 1.2– पशु का चयन	19
2.	पशुधन आवास तैयार करें एवं रखरखाव करें (AGR/N4101)	29
	यूनिट 2.1– पशुधन की सामान्य आवास आवश्यकताएं	31
	यूनिट 2.2– औजार एवं उपकरण	59
	यूनिट 2.3 – अपशिष्ट संचालन/प्रबंधन	67
	यूनिट 2.4 – पशु के शेड की नियमित सफाई	73
3.	आवास के अंदर पशुधन का संस्थापन (AGR/N4102)	79
	यूनिट 3.1 – व्यक्तिगत रक्षात्मक उपकरण	81
	यूनिट 3.2 – अनुकूल पर्यावरणीय स्थिति की जांच करें	92
	यूनिट 3.3 – तनाव को न्यून करने के लिए संचालन	96
	यूनिट 3.4 – सुरक्षा प्रक्रियाओं को समझें और अनुपालन करें	101
	यूनिट 3.5 – सफाई सुनिश्चित करें और अपशिष्ट निस्तारण के उचित तरीके का अनुपालन	106
4.	पशुओं के लिए चारा एवं पानी उपलब्ध कराएं (AGR/N4103)	112
	यूनिट 4.1 – चारा संयोजन एवं गुणवत्ता	114
	यूनिट 4.2 – पशओं के लिए पोषण आवश्यकताओं को समझें	125
	यूनिट 4.3 – चारा तैयारी के लिए आवश्यक आगमों की पहचान करना और खरीदना	130
	यूनिट 4.4 – पशुों के पोषण एवं विकास के लिए विभिन्न भोजनों एवं भोजन अनुपूरकों की व्यवस्था करें	134
	यूनिट 4.5 – भक्षण तालिका एवं भंडार संभरण का अनुपालन	139
	यूनिट 4.6 सही अवयवों के मिश्रण से चारा तैयार करें	145
	यूनिट 4.7 पशु को चारा एवं पानी उपलब्ध कराएं	150
	यूनिट 4.8 – अपशिष्ट के न्यूनकरण को समझें	156
5	पशुधन के स्वस्थ प्रदर्शन को बनाए रखें(AGR/N4104)	161
	यूनिट 5.1 – स्वस्थ पशु मापदंडों को समझें	163
	यूनिट 5.2 – पशुों की शारीरिक स्थिति पर नजर रखें	183
	यूनिट 5.3 – बाहरी परजीवियों की उपस्थिति के लिए पशुधन की जांच करें	189

यूनिट 5.4 – पशुधन के स्वास्थ्य रखरखाव प्रक्रिया को समझें 195

यूनिट 5.5 – गाय के गर्भावस्था अवधि को समझें 198

यूनिट 5.6 – गर्भावस्था के दौरान देखभाल 206

यूनिट 5.7 – बछड़े को पालने की समझ 212

यूनिट 5.8 – पशु की स्वास्थ्य जांच और उपचार का रिकार्ड करें 219

6. हाथ से और मशीन से दुहना (AGR/N4105) 226

यूनिट 6.1 – दुहने पूर्व और दुहने के बाद की गतिविधियों को समझें 228

यूनिट 6.2– स्तन की सूजन और सावधानियों को समझें 235

यूनिट 6.3 – दुहने की मशीन एवं उपकरण की पहचान एवं प्रयोग 244

यूनिट 6.4 – दुहने की मशीन और उपकरण के समायोजन को समझें 247

यूनिट 6.5 – दुहने की सही तकनीकी को समझें 249

यूनिट 6.6 – स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए प्रक्रिया का अनुपालन करें 260

7. चारा संरक्षण (AGR/N4106) 264

यूनिट 7.1 – विभिन्न पशु भोजन फसलों पर ज्ञान हासिल करें 266

यूनिट 7.2 – फसल की कटाई का सही समय 271

यूनिट 7.3 – चारे की सामग्री के लिए औजार एवं उपकरण का प्रयोग 274

यूनिट 7.4 – चारा संरक्षण गतिविधियां 282

यूनिट 7.5 – नुकसान के न्यूनीकरण के तरीकों को समझें 297

8. उद्यमिता (AGR/N4107) 303

यूनिट 8.1 – डेरी उद्योग का अर्थशास्त्र और वित्त 305

यूनिट 8.2 – डेरी उद्योग के लिए वित्तीय संस्थानों पर सूचनाएं एकत्र करें 311

यूनिट 8.3 – डेरी उद्योग के लिए बजट अनुमान 317

यूनिट 8.4 – बाजार सूचना को समझें और अपडेट करें 324

यूनिट 8.5 – व्यापार के रिकार्ड का प्रबंध करें 329

यूनिट 8.6 – विपणन के तरीकों की समझें 335

यूनिट 8.7 – मार्केट प्लेयर्स से संपर्क विकसित करें 340

9	कार्यस्थल पर सेहत एवं सुरक्षा बनाए रखें (AGR/N9903)	344
	यूनिट 9.1 – स्वच्छ एवं कुशल कार्यस्थल का रखरखाव करें	346
	यूनिट 9.2 – उपयुक्त आपातकालीन प्रक्रियाओं का प्रतिपादन करें	351
	यूनिट 9.3 – सामान्य सुरक्षा एवं प्राथमिक चिकित्सा का अमल करें	355
10.	रोजगार क्षमता एवं उद्यमिता कुशलताएं	359
	यूनिट 10.1 – व्यक्तिगत क्षमताएं एवं मूल्य प्रणाली	364
	यूनिट 10.3 – डिजिटल साक्षरता: एक सार	380
	यूनिट 10.3 – धन के मामले	384
	यूनिट 10.4 – रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयारी करना	393
	यूनिट 10.5 – उद्यमिता की समझ	403
	यूनिट 10.6 – एक उद्यमी होने की तैयारी	426

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

ASCI
Agriculture Skill Council of India

1. परिचय

यूनिट 1.1 – सामान्य अनुदेश

यूनिट 1.2 – पशु का चयन

मुख्य शिक्षा परिणाम

इस मॉड्यूल के अंत में आप सक्षम होंगे:

- एक डेयरी किसान की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझने में
- पशु की नस्ल को समझने में
- डेयरी किसानी के लिए पशु का चयन करने में

यूनिट 1.1: परिचय

यूनिट का लक्ष्य

इस यूनिट के अंत में आप निम्नलिखित में सक्षम होंगे:

- एक डेयरी के किसान की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझना
- पशुओं की नस्ल को समझना

1.1.1 भागीदारों के लिए सामान्य अनुदेश

- जब आप कक्षा मे प्रवेश करें तो अपने अनुदेशकों एवं अन्य भागीदारों का अभिवादन करें।
- प्रत्येक कक्षा में हमेशा समयनिष्ठ रहें।
- नियमित रहें। आवश्यक हाजिरियों से कम वाले प्रतिभागियों को प्रमाणित नहीं किया जाएगा।
- यदि किसी कारण से आपको कक्षा छोड़नी पड़ रही है, तो अपने अनुदेशक को सूचित करें।
- आपके अनुदेशक जो कह रहे हैं अथवा दिखा रहे हैं, उस पर ध्यान दें।
- यदि आप कोई चीज समझ नहीं पाए हैं, तो अपना हाथ ऊपर करें और स्पष्टीकरण मांगें।
- निश्चित करें कि आप इस पुस्तक मे प्रत्येक मॉड्यूल के अंत में सभी अभ्यास करें। यह आपको अवधारणा को बेहतर तरीके से समझने में सहायता करेगा।
- किसी भी नई कुशलता जिसे आप सीख चुके है, उसका जितनी बार संभव हो, उतनी बार अभ्यास करें। अभ्यास के लिए अपने प्रशिक्षक एवं साथी भागीदारों की सहायता लें।
- इलेक्ट्रिसिटी, उपकरणों और पशुओं के साथ काम करते समय सभी जरूरी सावधानियां बरतें, जैसा कि आपके प्रशिक्षकों द्वारा अनुदेशित किया गया है।
- निश्चित करें आपने करीने से वस्त्र पहने हुए हैं और हर समय प्रदर्शनीय हैं।
- निश्चित करें कि आप कपड़े के जूते या रबर बूट्स पहनें हैं।
- प्रशिक्षण के दौरान सभी गतिविधियों, चर्चाओं और क्रीड़ाओं में सक्रिय रूप से भागीदारी करें।
- हमेशा कक्षा में आने से पहले नहाएं, साफ कपड़े पहनें और अपने बालों में कंघा करें।
- तीन सबसे महत्वपूर्ण शब्द जिन्हें आप हमेशा याद रखें होगा और दैनिक वार्तालापों में प्रयोग करें, वे हैं प्लीज, थैंक्यू और सॉरी।

1.1.2 डेयरी किसानों की भूमिका को समझें

डेरी उद्योग बहुत अधिक जटिल है और वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन की जरूरत होती है। ऐसे डेयरी फार्म के प्रबंधन में डेयरी किसान को व्यापक जानकारी, बहुविध कार्य कुशलताओं और उत्कृट व्यापार कौशल की जरूरत होती है।

डेयरी किसान के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियां (प्रबंधक)

- 50 प्रतिशत समय डेयरी झुंड के प्रबंधन में और बाकी समय कर्मचारियों के पर्यवेक्षण में व्यतीत करें।
- राशन सामग्री एवं आहार
- प्रतिस्थापनों की स्थापना
- दुहना
- सुविधाओं, मैदान और उपकरण का रखरखाव
- चरागाह प्रबंधन
- झुंड प्रबंधन

- 30 प्रतिशत समय झुंड स्वास्थ्य एवं प्रजनन में बिताएं

- बीमार पशु के लिए उपचार और देखभाल
- मुश्किल जन्म में सहायता
- ताप का पता लगाना
- प्रजनन
- बीमार एवं छुट्टी पर चल रहे कर्मचारियों का स्थान भरें

- समय का 20 प्रतिशत सामान्य कार्यालय कार्यों और खरीद में बिताएं।

- रिकार्ड रखरखाव (झुंड स्वास्थ्य, उत्पादन, प्रजनन, माल सूची)
- मासिक मालसूचियां
- आपूर्ति आदेश, पार्ट्स की मरम्मत, चारा

- जरूरी ज्ञान, कुशलताएं एवं योग्यताएं

- कृत्रिम गर्भाधान में प्रशिक्षित
- बीमारी और चोट उपचार एवं बछड़े को खींचने का जानकार
- डेयरी पोषण में जानकार
- कर्मचारियों को प्रेरित करने की योग्यता
- व्यक्त करने की योग्यता
- दुहने की प्रक्रियाओं की जानकारी
- डेयरी झुंड सुधार रिकार्ड्स की और उनके प्रयोग की जानकारी

संभरक के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियां

- 70 से 80 प्रतिशत कार्यसमय सभी पशुओं के पोषण एवं देखभाल के कर्तव्य के निर्वहन में बिताएं
- पशु क्षेत्रों, लॉट्स एवं बाड़े को स्वच्छ और खाद एवं बाहरी वस्तुओं से मुक्त रखें।
- उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद के उत्पादन के अनुमति दें और पशुों की सलामती और आराम को प्रेरित करें

- आहार जिम्मेदारियां
    - यह निश्चित करने के लिए कि सभी पशुों को पर्याप्त चारा मिल रहा है, उन्हें समयबद्ध आधार (प्रत्येक दिन तीन से चार बार) पर जांचें। निश्चित हों कि स्वच्छ पानी हर समय उपलब्ध है।
    - गायों और बछड़ों को समयबद्ध तरीके से खिलाएं
    - लॉट्स और बाड़े का दैनिक सफाई निश्चित करें, नियमित रूप से फ्रेशनिंग एरिया की जांच करें और जन्म प्रक्रिया मे सहायता करें।
    - आश्वस्त होने के लिए कि पशु मौसमी परिस्थितियों के कारण तनाव में तो नहीं है, सभी लॉट्स (शुष्क गाय, अनब्याही गाय और बछड़ा क्षेत्र) की प्रतिदिन कम से कम पांच बार जांच करें।
    - सभी उपकरणों का रखरखाव निर्माणकर्ताओं के सुझावों द्वारा निर्दिष्ट तरीके से करें। निश्चित करें कि सभी मशीनें व्यवस्थित काम कर रही हैं। यदि कोई खराबी होती है तो तत्काल प्रबंधक को सूचित करें।
    - पोषकों की जांच के लिए कोई जरूरी आहार या चारे का सैंपल लें, जैसी प्रबंधक को आवश्यकता है।
    - निश्चित करें कि सभी चरागाह और चारदीवारी अनुरक्षित हैं। जरूरत होने पर इन चीजों की मरम्मत करें।
    - सभी उपकरणों और औजारों का रखरखाव व्यवस्थित तरीके से करें ताकि जरूरत होने पर किसी कर्मचारी द्वारा प्रयोग किए जाने के लिए ये शीघ्र उपलब्ध रहें।
    - बीमार पशु का उपचार और उपयुक्त निर्दिष्ट दवाएं तभी खिलाएं जब प्रबंधक द्वारा बताया जाए।
    - प्रबंधक के पर्यवेक्षण के अधीन नियमित टीकाकरण करें।
    - प्रबंधक के सामंजस्य में फार्मस्टेड की विशेष परियोजनाओं अथवा नियमित रखरखाव में सहयोग करें।

दोहक के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियां

- 70 से 80 प्रतिशत कार्यसमय स्तनपान कराने वाली गायों को दुहने के कर्तव्य एवं संबंधित गतिविधियों को निभाने में बिताएं।
- दुहने की जिम्मदारियां एवं प्रक्रियाएः
    - दुहने के लिए दुहना उपकरण एवं थोक टैंक तैयार करें
    - दुहने के लिए गाय को लाएं अथवा यदि जरूरत हो या आग्रह किया गया हो तो गाय को लाने में अन्य कर्मचारियों की सहायता करें।
    - स्तन में सूजने करने वाले ऑर्गेनिज्म को फैलने से रोकने के लिए दुहते समय दस्ताने पहनें
    - दुहने से पहले पशु की दुहने–पूर्व संस्तुत तैयारियों का अनुपालन करें।
    - सभी गायों को व्यवस्थित, उचित और सुसंगत तरीके से दुहें।
    - उपचार रिकार्ड को देख निश्चित हो लें ताकि उपचारित गायों का दूध थोक टैंक में नहीं डाला जाए।
    - उन गायों पर गौर करें जिन्हें स्तन की सूजन अथवा अन्य समस्या हो सकती है और संभावित उपचार के लिए प्रबंधक को सूचित करें। (प्रबंधक की अनुमति के बिना कोई उपचार नहीं किया जा सकता।)
    - मिल्किंग पार्लर, धारक क्षेत्र एवं थोक टैंक कक्ष को साफ करें।
    - दुहने के सभी उपकरण का परिचालन प्रबंधक एवं फैक्ट्री के विशेष विवरणों द्वारा संस्तुत तरीके से करें
    - दुहने के बाद, निश्चित करें सभी मशीनरी एवं साफ–सफाई प्रक्रियाओं का अनुपालन निर्माणकर्ता के विशेष विवरण और पब्लिक मिल्क ऑर्डिनेंस के श्रेणी ए मानकों के अनुसार किया गया है।

दुहने से संबंधित गतिविधियां:

- यदि जरूरत हो तो बाड़े मे पशु को जाने में मदद करें
- उपचार रिकार्ड का रखरखाव करें और उपयुक्त निशानों से उपचारित गाय को पहचानें जैसे लैग बैंड्स आदि
- एक सूची तैयार कर आपूर्ति आदेश देने मे सहायता करें और किसी आइटम में कम आपूर्ति को प्रबंधन के ध्यायार्थ लाएं।

यदि निर्धारित कार्य घंटों पर उपस्थित होने में असफल हैं तो प्रबंधक को पर्याप्त पहले सूचना दें ताकि वह स्थानापन्न दोहक की व्यवस्था कर सके। थनों पर क्लिप लगाना, चिह्नांकन स्थिर करना, और अन्य प्रक्रियाएं जो सटीक पहचान और पशु के कल्याण को प्रेरित करती हैं।

- अन्य जिम्मेदारियां (लगभग 20 से 30 प्रतिशत दैनिक कार्य सूची) जैसी प्रबंधक द्वारा सौंपी गईं हैं।
- इन जिम्मेदारियों में निम्न जिम्मेदारियां शामिल हो सकती हैं लेकिन इन तक सीमित नहीं है:
- नवजात बछड़ों और ब्याहने वाली गायों की देखभाल
- बछड़ों का भोजन और देखभाल
- दुधारू झुंड का भोजन, सफाई और देखभाल
- मुक्त–कोठार का रखरखाव
- ताप का पता लगाना, A.I.
- रिकार्ड रखाव
- कार्यालय भवन की सफाई और रखरखाव
- जमीन, चरागाह, चारदीवारी का रखरखाव
- वैक्यूम पंपों का रखरखाव

1.13 संकर पशु

मादा

नर

1 **नामः** जर्सी संकर नस्ल

2 संकर नस्ल

3 **राज्यः** पूरा भारत

4 **उद्देश्यः** भोजन–दूधः

5 **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा)**
1749–2147

मादा	नर

1 **नामः** होल्सटीन फ्रेसियन संकर

2 संकर नस्ल

3 **राज्यः** पहाड़ी एवं शीतोष्ण क्षेत्र (पूरा भारत)

4 **उद्देश्यः** भोजन–दूध

5 **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा)** 3000–3500

पशु

मादा	नर

1 **नामः** थारपारकर (सफेद सिंधी, स्लेटी सिंधी, थारी)

2 देशावरी नस्ल

3 **राज्यः** गुजरात, राजस्थान (थारपारकर पशु भारत–पाक सीमा से लगे पश्चिमी राजस्थान और गुजरात में कच्छ की खाड़ी तक के इलाके में पाए जाते हैं।)

4 **उद्देश्यः** भोजन–दूधः

5 **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा)** 1749–2147

मादा	नर

1 **नामः** वेचुर (सफेर सिंधी, स्लेटी सिंधी, थारी)

2 **देशावरी नस्ल**

3 **राज्यः** केरल (कुट्टानाद, एक अनोखी कृषि पट्टी जो केरल के अलप्पुझा, कोट्टायम और पाथनमथिट्टा, और कसारगोड जिलों तक विस्तृत है।

4 **उद्देश्यः** भोजन–दूधः गोबर–खाद

5 **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा) 561**

मादा

नर

1 **नामः** लाल सिंधी (मालेर (ब्लूचिस्तान), लाल कराची और सिंधी)

2 **देशावरी नस्ल**

3 **राज्यः** मूल वंशवृद्धि पट्टी पाकिस्तान में है लेकिन कुछ व्यवस्थित झुंड भारत के ओडीसा, तमिलनाडु, बिहार, केरल और असम राज्यों में उपलब्ध हैं।

4 **उद्देश्यः** भोजन–दूधः

5 **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा)** 1840–2600

मादा

नर

1 **नामः** साहीवाल (लंबी बार, लोला, मोंटोगोमरी, मुल्तानी और तेली)

2 **देशावरी नस्ल**

3 **राज्यः** पंजाब, राजस्थान ()

4 **उद्देश्य** भोजन–दूध

5 **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा)** 2325–2750

मादा

नर

1 **नामः** पुंगानुर ()

2 **देसी** नस्ल

3. **राज्य** एपी (नस्ल पट्टी आंध्र प्रदेश के पुंगानुर तालुका और उसके नजदीकी व्यालपेड, मदनापल्ली और पालमानेर तालुकों तक सीमित है।)

4. **उद्देश्यः** भोजन–कार्य–सूखाः परिवहन

5. **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा)** 546–1100

मादा

नर

1. **नामः** राठी

2. **देशावरी नस्ल**

3. **राज्यः** राजस्थान (राठी पशु खासकर बीकानेर जिले की लूनकरनसर तहसील में केंद्रीभूत है जिसे राठी जिले के रूप में भी जाना जाता है।)

4 **उद्देश्यः** भोजन–दूधः

5. **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा)**
1560–2810

मादा

नर

1. **नामः** मोटू (देशी)

2. **देशावरी नस्ल**

3. **राज्यः** ओडीशा (मलकानगिरी जिले के दक्षिणी हिस्से और छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के नजदीकी क्षेत्र। सघन संकेंद्रण ओडीशा के मलकानगिरी जिले के मोटू, कालिमेला, पोडिया और मनकानगिरी क्षेत्र मे है। इसमें ज्यादातर क्षेत्र जंगल से ढका हुआ है।)

4. **उद्देश्यः** भोजनः कार्य–सूखाः खाद

5. **दूध प्राप्त प्रति दुग्धन (किग्रा)**
0–140

मादा

नर

1. **नामः** ओंगोल (नेल्लोर)
2. **देशावरी नस्ल**
3. **राज्यः** आंध्र प्रदेश (नस्लपट्टी नेल्लोर से लेकर विजयनगरम तक समुद्रतट से लगा क्षेत्र)
4. **उद्देश्यः** भोजन–दूधः कार्य–खिंचाईः
5. **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा):** 798

मादा

नर

1. **नामः** खारियार (देशी)
2. **देशावरी नस्ल**
3. **राज्यः** ओडीशा (नुआपाडा जिला और कालाहाडी और बालांगिर जिले के नजदीकी क्षेत्र। नुआपाडा जिले के खेरियार, कोमना, सिनापली और बोदन ब्लाक में सघन।)
4. **उद्देश्यः** भोजन– दूधः कार्य– सूखाः खाद एवं ईंधन
5. **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा):** 0–450

मादा

नर

1. **नामः** कोसाली ()
2. **देशावरी नस्ल**
3. **राज्यः** छत्तीसगढ़ (मिट्टी का प्रकारः हल्की से मध्यम हल्की (लाल–पीली)– 65:,मध्यम भारी से भारी (भूरी–काली)–35:.
4. **उद्देश्यः** भोजन–दूधः कार्य–खिंचाईः खाद
5. **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा)**210–250

मादा

नर

1. **नामः** हरियाना (हांसी)
2. **देशावरी नस्ल**
3. **राज्यः** हरियाणा
4. **उद्देश्यः** भोजन–दूध कार्य–सूखा और परिवहन
5. **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा)** 997–1745

मादा

नर

1. **नामः** कांकेरी (वडाड या वागेड, वागाडिया, तालाब्दा, नागर, बोन्नाई)
2. **देशावरी नस्ल**
3. **राज्यः** गुजरात, राजस्थान
4. **उद्देश्यः** भोजन–दूध कार्य–सूखा और परिवहन
5. **दूध प्राप्ति प्रति दुग्धन (किग्रा)** 1738–1800